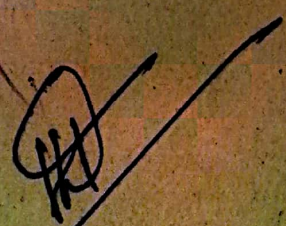




के आदेश पर करते। हमने पत्रावली  
का अवलोकन किया वंत मनन किया।  
इसी तारीख न्यायालय द्वारा निर्णय पारित  
किया जाय, जो सततन पत्रावली है।  
निर्णय में इस न्यायालय को किसी प्रकार  
से जुग - अलग-अलग पर निर्णय पारित करने  
है कि शा निर्देश प्रदान नहीं किया जाये  
है। अतः अडावरी अरी-लवन्हा द्वारा  
प्रस्तुत प्रार्थना पत्र अर्न्तगत आदेशों में  
निश्चय ॥ स्थिति अथा १५। १८ सीमा  
किया जाता है तथा प्रकरण में भी प्र  
रही कार्यवाही के इसी स्तर पर बंद  
किया जाता है। पत्रावली के सतत  
जुमा देकर नम्बर से काम होकर  
दाखिल दफतर है।



सहायक कलेक्टर एवं  
उपखण्ड अधिकारी, बावडी